Edit with WPS Office

YMCA CENTURY SCHOOL

Class 7 Hindi lit. Lesson -6 स्नेह पगी पाती

मौखिक प्रश्न

प्रश्न-जन्मदिन की सुबह लेखिका को क्या मिला?

उत्तर- जन्मदिन की सुबह लेखिका को उसकी बेटी द्वारा शुभकामनाओं वाला कार्ड मिला।

प्रश्न -लेखिका ने अनमोल धरोहर किसे कहा ?

उत्तर- लेखिका ने अपने जन्मदिन पर बिटिया द्वारा भेजे गए कार्डों को सहेज कर रखा है उन्हें ही अनमोल धरोहर कहां है ।

प्रश्न- तार किन किन अवसरों पर भेजे जाते थे और क्यों?

उत्तर- दुखद अवसरों पर, विवाह या पुत्र जन्म आदि पर तत्काल सूचना देने के लिए तार भेजे जाते थे क्योंकि तार सबसे कम समय में संदेश पहुंच ता है।

प्रश्न- टेलीफोन और मोबाइल क्रांति का क्या असर हुआ है?

उत्तर -टेलीफोन और मोबाइल क्रांति का यह असर हुआ है कि विश्व के किसी भी कोने में रहने वाले स्वजन से चौबीसों घंटे जुड़े रहना संभव हो गया है चिट्ठी पहुंचने न पहुंचने का कोई संदेह नहीं बस फोन उठाओ और बात कर लो।

लिखित

प्रश्न-" मैं तो दूर से ही उसका पत्र पहचान सकती हूं "लेखिका ऐसा क्यों कहती है?

उत्तर -लेखिका की बिटिया के पत्र पूरी तरह भरे हुए होते थे और उन पर चॉकलेट मक्खन के निशान भी होते थे जिन्हें देखकर लेखिका दूर से ही अपनी बिटिया का पत्र पहचान लेती थी ।

प्रश्न -बिटिया द्वारा भेजे गए जन्मदिन कार्डों में पहले और अब लेखिका क्या अंतर महसूस करती हैं?

उत्तर- पहले लेखिका की बिटिया उनके लिए जन्मदिन का कार्ड ढूंढने के लिए बाजार जान देती थी उसमें लिखी इबारत में अपनी ओर से भी कुछ पंक्तियां जोड़कर उसे पूरा भर देती थी। अभी वह उन्हें जन्मदिन के कार्ड भेजती हैं लेकिन ई-मेल से जिसमें उसके हस्ताक्षर भी नहीं होते। लेखिका इन कार्डों में उसके हाथों का स्पर्श महसूस नहीं कर पाती ।

प्रश्न- पुराने समय में लोगों के जीवन में डाकिए की भूमिका महत्वपूर्ण थी ।यह कैसे पता चलता है ?

उत्तर- पुराने समय में डाकिए का आगमन दिन भर का सबसे महत्वपूर्ण काम था ।वह दिन में तीन बार पत्र बांटने के अलावा पत्र पढ़कर सुनाने का काम भी करता था। इससे यह स्पष्ट पता चलता है कि डाकिया लोगों के सुख-दुख का राजदार होता था

आशय स्पष्ट कीजिए

1,)बात तो तब हो जाती है पर वह तसल्ली नहीं हो पाती जो लंबा सा पत्र पढ़कर हुआ करती थी ।

आशय_टेलीफोन और मोबाइल पर बात तो हो जाती है लेकिन चलते मीटर के आगे हम बहुत सी बातें या तो बता नहीं पाते या भूल जाते हैं जबकि पत्र में विस्तार से अपने मन के भावों को उड़ेल देते हैं इसलिए जो तसल्ली पत्र पढ़कर होती है वह फोन पर बात करके नहीं होती।

Edit with WPS Office

2) प्रगति जब तेज रफ्तार से आगे बढ़ती है तो बहुत कुछ किनारों पर ढकेल ही चलती है ।

आशय- प्रगति की अंधाधुंध दौड़ में बहुत सी चीजें पीछे रह जाती हैं परिवर्तन संसार का नियम है और इसके कारण इसने की पार्टी भी पीछे छूट गई है।

मूल्यपरक प्रश्न

1) पत्रों की तरह क्या हम ईमेल या एसएमएस को धरोहर मानकर रख सकते हैं। तर्क सहित उत्तर दीजिए?

उत्तर-१ ईमेल या एसएमएस को पत्रों की तरह ईमेल या धरोहर मानकर नहीं रख सकते क्योंकि उनमें अपनेपन की खुशबू नहीं होती जो पत्र हाथ से लिखे होते हैं उन्हें जितनी बार भी हम पढ़ेंगे उतनी बार लिखने वाले के हाथों का स्पर्श महसूस करेंगे लेकिन ईमेल या एसएमएस मशीन से टाइप किए हुए होते हैं जो कुछ समय बाद स्वत ही स्क्रीन से गायब हो जाते हैं।